महंगा हुआ सोना, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में लगातार दूसरे दिन मजबूती नजर आ रही है। हालांकि चांदी के भाव में 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोना 400 रुपये से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये से लेकर 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये से लेकर 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेलीकॉम कंपनियों ने 'सोर्स कोड' शेयर करने की शर्त का किया विरोध, भारत सरकार से नियमों में राहत की मांग

नई दिल्ली। स्थानीय और वैश्विक दूरसंचार उपकरण विनिर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठा है जहां सरकार ने सोर्स कोड की उपलब्धि को विवादित बना दिया है। भारत में संवेदनशील बुनियादी सोर्स कोड के आधार पर सॉफ्टवेयर की जांच का फैसला किया गया है, जो सरकार द्वारा लागू किए गए नियमों के खिलाफ है। यह नियम कंपनियों को 31 दिसंबर, 2025 तक का समय देते हैं अपने सोर्स कोड उपलब्ध करने के लिए। यूरोपीय संघ (ईयू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ चिंता जाहिर की है और उन्होंने इसे मामला के रूप में उठाया है। संचार सुरक्षा प्रमाणन योजना के तहत सॉफ्टवेयर के सोर्स कोड की जांच को लेकर उन्होंने भारत सरकार के साथ बातचीत की है। इस उद्घोषणा के बाद वैश्विक दूरसंचार उपकरण कंपनियां अपने नीयमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, जो कि उनके आईपीआर को सुरक्षित रखेगा। नेशनल सेंटर फॉर कम्युनिकेशन सिक्योरिटी (एनसीसीएस) ने भी एक अस्थायी राहत दी थी, मगर सरकार ने इसको 31 दिसंबर, 2025 तक ही फिर से पुनर्विचार किया है।

ट्रंप के कार टैरिफ से वैश्विक बाजार में हलचल, कंपनियों के शेयर धड़ाम, कनाडा देगा जवाब

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आयातित कारों और पुर्जों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से वैश्विक कार उद्योग में हलचल है। इससे कल एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार डगमगा गए। कई वाहन निर्माता कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिर गईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की घोषणा के बाद यूरोपीय संघ और कनाडा जवाबी कार्रवाई के लिए एक साथ आ गए हैं। जवाबी उपायों की चर्चा ने दुनिया भर में व्यापार युद्ध की संभावना को बढ़ा दिया है।अमेरिका को निर्यात की जाने वाली सभी कारों और कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ तीन अप्रैल से लागू होने वाले हैं। कनाडा के साथ-साथ मेक्सिको, जापान और दक्षिण कोरिया का अमेरिका के वाहन आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। जर्मनी के नेता रॉबर्ट हेबेक ने कहा कि महत्वपूर्ण है कि अब यूरोपीय संघ को टैरिफ पर निर्णायक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। कनाडा ने कहा है कि वह अगले सप्ताह टैरिफ की घोषणा कर इसका जवाब देगा। सीएनएन की खबर के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा की। इसके बाद ओटावा में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव आने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि अब कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता को काफी हद तक कम करना होगा। कनाडाई नेता ने कहा कि अमेरिका अब उसका विश्वसनीय भागीदार नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के बदले हुए परिदृश्य से जूझना होगा।

जीएक्स ग्रुप ने किया पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी जीएक्स ग्रुप ने स्विट्जरलैंड की ब्रॉडबैंड व फाइबर समाधान प्रदाता पिंग कम्युनिकेशन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि इसके जरिए वह यूरोप, पश्चिम एशिया और लैटिन अमेरिका में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। जीएक्स ग्रुप के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने बयान में कहा कि कंपनी पिंग कम्युनिकेशन के मौजूदा खंड को पूरक बनाने के लिए अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों का लाभ उठाएगी। इस तरह लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अगले दो वर्षों में राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाएगी। कंपनी ने हालांकि लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद, पिंग कम्युनिकेशन जीएक्स ग्रुप का हिस्सा बन जाएगा। पिंग कम्युनिकेशन का वर्तमान राजस्व करीब तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर है। अपने 'मेड इन इंडिया' उत्पादों के साथ इसके खंड को पूरक बनाकर हम 2026 तक अपने राजस्व को पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। पिंग कम्युनिकेशन नॉर्वे के हेमगार्ड समूह का हिस्सा है। जीएक्स ग्रुप को पहले जेनेक्सिस के नाम से पहचाना जाता था। इसका परिचालन 2002 में शुरू हुआ और 2013 तक समूचे भारत में अपना कारोबार फैलाया, जब इसने स्वीडन से एरिक्सन का अधिग्रहण किया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी गिरावट का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी गिरावट का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में ऑटो सेक्टर के शेयरों ने जोरदार दबाव की स्थिति बना दी, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,693.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.53 प्रतिशत टूट कर 17,804.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,381.16 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान गिरावट का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,666.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,990.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 160.29 अंक यानी 0.71 प्रतिशत टूट कर 22,678.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं है। एशियाई बाजारों में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,988.39 अंक के स्तर पर पहुंचकर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 127 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,634 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 229.83 अंक यानी 0.97 प्रतिशत टूट कर 23,348.97 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 868.02 अंक यानी 2.30 प्रतिशत लुढ़क कर 36,931.95 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.86 प्रतिशत फिसल कर 2,558.63 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 388.10 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,563.66 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,349.68 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत लुढ़क कर 1,183.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एनएसई ने साप्ताहिक अनुबंध के समाप्ति दिन को बदलने पर लगाई रोक

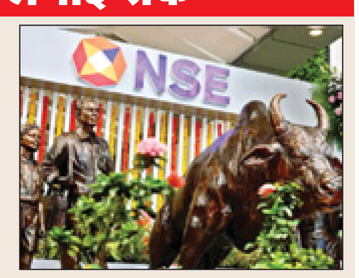

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने बाजार नियामक सेबी के परामर्श पत्र के बाद सभी सूचकांक और शेयर वायदा-विकल्प की समाप्ति तिथि को गुरुवार से सोमवार करने की अपनी योजना को फिलहाल टाल दिया है। यह बदलाव चार अप्रैल 2025 से प्रभावी होना था। एनएसई ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि निफ्टी साप्ताहिक अनुबंध जो वर्तमान में गुरुवार को समाप्त हो रहे हैं, उन्हें सोमवार को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके अलावा निफ्टी मासिक, त्रैमासिक और अर्ध-वार्षिक अनुबंधों की समाप्ति को समाप्ति माह के अंतिम गुरुवार से बदलकर अंतिम सोमवार किया जाएगा। हालांकि, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के परामर्श पत्र के मद्देनजर, एनएसई ने इस बदलाव के क्रियान्वयन को अगली सूचना तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। एनएसई ने गुरुवार देर रात जारी परिपत्र में कहा कि सदस्य इस बात पर गौर करें कि 27 मार्च 2025 को सेबी परामर्श पत्र के मद्देनजर शेयर वायदा विकल्प (इक्विटी डेरिवेटिव) के लिए अंतिम निपटान दिवस (समाप्ति दिवस) में बदलाव संबंधी परिपत्र का क्रियान्वयन अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन ने अयाना का अधिग्रहण किया पूरा

नई दिल्ली

ओएनजीसी एनटीपीसी ग्रीन प्राइवेट लिमिटेड (ओएनजीपीएल) ने 6,248.50 करोड़ रुपये में अयाना रिन्यूएबल पावर में 100 प्रतिशत शेयर हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। ओएनजीपीएल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड का 50:50 संयुक्त उद्यम है। एनजीईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह अधिग्रहण 23.22 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 6,248.50 करोड़ रुपये की नकदी में पूरा हुआ। एनजीईएल ने कुल अधिग्रहण लागत में 50 प्रतिशत यानी 3,124.25 करोड़ रुपये का योगदान दिया। अयाना एक अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। इस अधिग्रहण के माध्यम से एनजीईएल का लक्ष्य 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी क्षमता का विस्तार करना है।

रिजर्व बैंक अप्रैल में रेपो दर में कर सकता है 0.25 प्रतिशत की कटौतीः इंडिया रेटिंग्स

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति, अर्थिक वृद्धि को गति देने का इरादा रखती है, इसके तहत अगले महीने की समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती किए जाने की संभावना है। इसका सुझाव देने वाली और शोध एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने इसे जारी किया है। इंडिया रेटिंग्स के एक मुख्य ने बताया कि उनकी उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में सकल मुद्रास्फीति में 4.7 प्रतिशत की घटाव होगी। उन्होंने इसके साथ अगले वर्ष में मौद्रिक नीति में कुल मिलाकर 0.75 प्रतिशत तक की कटौती की संभावना भी जताई। रेटिंग एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि अप्रैल, 2025 को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का विकल्प चयन किया जा सकता है। इससे पहले आरबीआई ने लंबे समय तक प्रमुख नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया था, लेकिन अब यह संभावना है कि रेपो दर में कटौती हो सकती है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में 90 फ्लैट बेचे

मांग में मंदी के बावजूदरियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवास परियोजना के पेशकश के दिन करीब 90 फ्लैट 1,000 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि गोल्फ कोर्स रोड स्थित गोदरेज एस्ट्रा परियोजना के पेशकश के दिन करीब 90 फ्लैट बिके। यह परियोजना 2.76 एकड़ में फैली हुई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक ने कहा कि गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है। हम आने वाले वर्षों में वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की उम्मीद करते है।

अडानी ने किया महान ट्रांसमिशन का अधिग्रहण

अडानी पावर की आगामी 1,600 मेगावाट की बिजली को राज्य ग्रिड में जोड़ा जाएगा

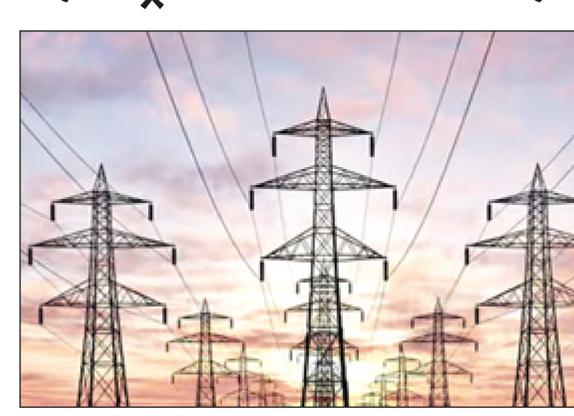

नई दिल्ली

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस ने महान ट्रांसमिशन के अधिग्रहण के लिए स्पेशल यूनिट के साथ समझौता किया है। 26 मार्च, 2025 को एमटीएल के 100 फीसदी शेयरों का अधिग्रहण 10 रुपये प्रति शेयर पर नकद में किया गया। एमटीएल की कुल अधिकृत शेयर पूंजी पांच लाख रुपये है।

एमटीएल का गठन भारत में हुआ है और इसे पंजीकृत कंपनी के साथ पंजीकृत किया गया था। एमटीएल की विस्तार इकाइयों से अडानी पावर की आगामी 1,600 मेगावाट की बिजली को राज्य ग्रिड में जोड़ा जाएगा। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का बीएसई 200 इंडेक्स में हिस्सा होने के साथ इसके शेयरों में पिछले कुछ सालों में तेजी दर बढ़ी है। डिसंबर तिमाही में करीब 80 फीसदी की बढ़ोतरी दिखाते हुए कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस की मार्केट कैप 1,04,974.08 करोड़ रुपये है। बता दें कि अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 80 प्रतिशत बढ़कर 625.30 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे दिसंबर तिमाही में 348.25 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ। दिसंबर तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 6,000.39 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,824.42 करोड़ रुपये थी।

भारत का एक्सप्रेस पार्सल बाजार 2029-30 तक 24-29 अरब शिपमेंट होगाः रिपोर्ट

मुंबई

भारत के 'एक्सप्रेस पार्सल' बाजार तेजी से बढ़कर वित्त वर्ष 2029-30 तक यह 24-29 अरब शिपमेंट तक पहुंचने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसकी प्रमुख वजह ई-कॉमर्स क्षेत्र का विस्तार, 'हाइपरलोकल' और त्वरित वाणिज्य खंड में बढ़ोतरी है। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पार्सल बाजार के 10-11 अरब शिपमेंट तक पहुंचने का अनुमान है। ई-कॉमर्स खंड की एक्सप्रेस पार्सल बाजार में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है, जिससे चालू वित्त वर्ष में करीब 4.8-5.5 अरब शिपमेंट होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स बाजार एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है, जो डिजिटल अपनाने में वृद्धि और उपभोक्ताओं द्वारा ई-कॉमर्स के साथ अधिक सहज होने से प्रेरित है। पारंपरिक कूरियर चालू वित्त वर्ष में एक्सप्रेस पार्सल बाजार का करीब 17 प्रतिशत हिस्सा होगा और उसके वित्त वर्ष 2029-30 तक करीब सात प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है। इसके साथ ही, ई-कॉमर्स शिपमेंट जो वित्त वर्ष 2024-25 में 4.8-5.5 अरब शिपमेंट के लिए जिम्मेदार होगा और वित्त वर्ष 2029-30 तक 15-16 अरब शिपमेंट तक पहुंच सकता है।

डिजिटल बैंकिंग के दौर में अप्रैल से होंगे नियमों में कई बदलाव, एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा, बैंक चेक पर भी भारी चार्ज देना होगा

नई दिल्ली। अप्रैल से लेकर एक मई तक बैंकिंग सेक्टर में कई महत्वपूर्ण बदलाव होने वाले हैं, जिन पर विवेचना की जरूरत है। एक मई से बैंक एटीएम से पैसे निकालने पर चार्ज लगाना नए नियमों में शामिल है। इसके अलावा बैंक चेक पर भी भारी चार्ज देना होगा। आने वाले दिनों में बैंक सेवाओं में मिनिमम बैलेंस, चेक, और फ्रॉड सुरक्षा के मामले में कई और बदलाव होने वाले हैं। अब 50,000 रुपए से अधिक के चेक के मामले में बैंक क्रेता को अधिक सतर्क रहना होगा। इसके साथ ही, यूपीआई कोड की मान्यता अब मोबाइल नंबर की क्टिविटी पर भी निर्भर होगी। अन्य सेवाओं में भी बदलाव की बातें हो रही हैं। अब क्रेडिट कार्ड को लेकर भी सीमाएं लगाई जा रही है, और बैलेंस के अनुसार ब्याज दरें मिलेंगी। यह सभी बदलाव उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे वित्तीय तंगी से बचने में मदद मिल सकती है। इस समस्याओं और अवसरों से भरी बैंकिंग सेक्टर के साथ, आने वाले कुछ महीनों में उपभोक्ताओं को सक्षमन और सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। यह बाकी रहते हुए अगले समाचार में सुरक्षित रहने के लिए महत्वपूर्ण है।